



**JAT-1901100201010201** Seat No. \_\_\_\_\_

**B. A. (Sem. I) (CBCS) (W.E.F.-2019) Examination**

**December – 2019**

**Sanskrit : Paper-2**

*(Sanskrit Sahityano Itihas)*

*(Elective-1) (New Course)*

Time : 2½ Hours]

[Total Marks : 70

- |                  |  |    |
|------------------|--|----|
| १                | संस्कृत नाटकनी उत्पत्ति विषे आचार्य भरतनो मत यर्षी.                                      | १४ |
| 1                | Discuss the view point of आचार्य भरत as regards the origin of Sanskrit Rupaka.           | 14 |
| <b>अथवा / OR</b> |  |    |
| १                | वासवदत्ताने आधारे सुबन्धुनुं गद्यकार तरीके मूल्यांकन करो.                                | १४ |
| 1                | Evaluate सुबन्धु as a prose writer with special reference to वासवदत्ता.                  | 14 |
| २                | मुद्राराक्षसम् अथवा वेणीसंहारम्ने आधारे तेना कर्तानुं नाट्यकार तरीके मूल्यांकन करो.      | १४ |
| 2                | Evaluate the author of मुद्राराक्षसम् or वेणीसंहारम् as a Dramatist.                     | 14 |
| ३                | कुमारसंभवम् अथवा नैषधियचरितम्नो संक्षिप्त परिचय आपी, तेनुं महाकाव्य तरीके मूल्यांकन करो. | १४ |
| 3                | Give brief introduction of कुमारसंभवम् OR नैषधियचरितम् and evaluate the same as an epic. | 14 |
| ४                | संस्कृत गद्यसाहित्यना विकासनी प्रक्रिया दर्शावो.   | १४ |
| 4                | Describe the development of Sanskrit prose literature.                                   | 14 |

**अथवा / OR**

JAT-1901100201010201 ]

1

[ Contd...

- ४ दशकुमारचरितम्ने अनुलक्षीने दंडीनुं गद्यकार तरीके भूल्यांकन करो. १४
- 4 Evaluate the दण्डी as a writer with special reference to 14  
दशकुमारचरितम्.
- ५ नीयेनाभांथी कोर्षपण्ण भे विषे टूंकनीध लपो : १४
- 5 Write short notes on any **two** of the following : 14
- (१) शृङ्गारशतकम् ।
- (२) प्रास्ताविकविलास ।
- (३) बुद्धचरितम् ।
- (४) ऋतुसंहारम् ।
-